बिटिया रानी

बिटिया रानी मेरी प्यारी
प्यारी न्यारी न्यारी न्यारी
वह रोज हमें उठाती है
गुड मॉर्निंग डैड बुलाती है
हम जग कर उसको चूमे हैं
आह्लाद में उसके झूम हैं
वह कहती है उठ जाओ अब
स्कूल को अपने जाओ अब
मैं भी स्कूल को जाऊंगी
मम्मी के संग फिर आऊंगी
मैं सुनता हूं ,फिर उठता हूं
उसको गोदी में भरकर
में प्यार निछावर करता हूं
तब जाकर दिल यह बोले हैं
वात्सल्य का रस सब खोल है
अरे शाम हुआ मैं घर पहुंचा
बिटिया बोली आए डैडी
वो मुझको बाहों में भर्ती
फिर प्यार और सारा करती है
स्कूल के अपने खिस्से को
वह एक-एक करके कहती है
मम्मी कैसे पहुंचाई है
और फिर जाकर कर लाई है
सब कह कर वह मुझे चूमे है
मन फिर से प्यार में झूमे है
हम हंसते गाते रहते हैं
हम प्यार में उसके बहते हैं

वह डॉक्टर बनकर कष्ट हरे
कभी टीचर बनकर ज्ञान भरे
अपने को बेटा बोले है
निज प्यार की गठरी खोल है
बाबा दादी का ना पूछो
वह उनके साथ ही रहती है
बाबा का फिर दादी का दिन भर
चेकअप वोकप करती है
बाबा भी उसको प्यार करें
दादी भी उसको प्यार करें
बिटिया भी प्यार की गठरी
को धीरे-धीरे से खोले हैं
वह कहती है चलो चलते हैं
पार्क में मस्ती करते हैं
हम झूले गै फिर सरके गै
गाड़ी में बैठकर तुम्हारे संग
हम मार्केट को भी हो लेंगे
मुझको बस चॉकलेट दिला दो
ठंडा भी थोड़ा सा पिला दो
फिर तुमको थैंक यू बोलेंगे
फिर प्यार की गठरी खोलेंगे
वह गाल पर मेरे किस करती
फिर से मेरा मन डोले है
मैं उसको गले लगाता हूं
भगवान का आशीष पाता हूं
सच पूछो तो कुछ पूर्ण हुए
जो मुझको बिटिया प्राप्त हुई
बेटी जिसको भी होती है
उसका ना भाग्य सोती है
वह लक्ष्मी है वह काली है
पापा की अपने प्यारी है
मन मेरा कविता बनाए हैं

हम गीत खुशी के गाए है
बिटिया रानी मेरी प्यारी
प्यारी प्यारी न्यारी न्यारी

पुष्कर तिवारी